



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 513]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 16, 2005/अग्रहायण 25, 1927

No. 513]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 16, 2005/AGRAHAYANA 25, 1927

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2005

सा.का.नि. 723(अ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 76 के साथ पठित संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विधि अधिकारी (सेवा की शर्त) नियम, 1987 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विधि अधिकारी (सेवा की शर्त) संशोधन नियम, 2005 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. विधि अधिकारी (सेवा की शर्त) नियम, 1987 के नियम 4 में,—  
(i) उप-नियम (1) में, “मुम्बई या मद्रास” शब्दों के स्थान पर “मुम्बई या कोलकाता या मद्रास या इलाहाबाद” शब्द रखे जाएंगे;  
(ii) खंड 2 के उप-खंड (ख) में “या मद्रास” शब्दों के स्थान पर “मद्रास या इलाहाबाद” शब्द और चिह्न रखे जाएंगे;  
(iii) नियम 9(1) के स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—  
“स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजन के लिए, “वैयक्तिक कर्मचारिवृन्द” से अभिप्रेत है :—  
(i) महान्यायवादी और महासालिसिटर के मामले में—समुचित ग्रेड में प्रधान निजी सचिव, आशुलिपिक और जमादार;  
(ii) अपर महासालिसिटर के मामले में—समुचित ग्रेड में कोई निजी सचिव, आशुलिपिक और जमादार”।

[फा. सं. 18(1)/98-न्यायिक]

डी. आर. मोना, संयुक्त सचिव और विधि सलाहकार

टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. 1(अ), तारीख 1 जनवरी, 1987 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चात्कृती निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए।

- (1) सा.का.नि. 397(अ) तारीख 14 अप्रैल, 1987;
- (2) सा.का.नि. 473(अ) तारीख 22 जून, 1993;
- (3) सा.का.नि. 403(अ) तारीख 2 जून, 1999;
- (4) सा.का.नि. 574(अ) तारीख 2 अगस्त, 1999;
- (5) सा.का.नि. 345(अ) तारीख 10 मई, 2001; और
- (6) सा.का.नि. 106(अ) तारीख 25 फरवरी, 2005।

## MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th December, 2005

**G.S.R. 723(E).**—In exercise of powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, read with article 76 of the Constitution, the President, hereby makes the following rules further to amend the Law Officers (Conditions of Service) Rules, 1987, namely :—

1. (1) These rules may be called Law officers (Conditions of Service) Amendment Rules, 2005.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in Official Gazette.
2. In the Law Officers (Conditions of Service) Rules, 1987, in rule 4,—
  - (i) in sub-rule (1) after the word, "Madras" the words "or Allahabad" shall be inserted;
  - (ii) in clause (2), in sub-clause (b) for the words "or Madras" the words and sign, "Madras or Allahabad" shall be substituted;
  - (iii) for the explanation to the rule 9 (1) the following shall be substituted, namely :—
 

*Explanation*—For the purpose of this rule "Personal Staff" means :—

    - (i) in the case of Attorney General and Solicitor General — a Principal, Private Secretary in the appropriate grade, a stenographer and a jamadar;
    - (ii) in the case of Additional Solicitor General — a Private Secretary in the appropriate grade, a stenographer and a Jamadar".

[F. No. 18(1)/98-Judl.]

D. R. MEENA, Jt. Secy. &amp; Legal Adviser

**Note :—** The principal rules were published *vide* number G.S.R. 1(E), dated 1st January, 1987 and subsequently amended by :—

- (1) G.S.R. 397 (E), dated the 14th April, 1987;
- (2) G.S.R. 473 (E), dated the 22nd June, 1993;
- (3) G.S.R. 403 (E), dated the 2nd June, 1999 ;
- (4) G.S.R. 574 (E), dated the 2nd August, 1999 ;
- (5) G.S.R. 345 (E), dated the 10th May, 2001; and
- (6) G.S.R. 106 (E), dated the 25th February, 2005.